मेरठ, गाजियाबाद, लखनऊ एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक

प्रभात प्रकाशन का 72 सालवां

स्थापित 1944

प्रभात

सीधी बात-सच्ची बात

कैलिफोर्निया में जंगलों की आग जलवायु-असंतुलन का कारण तो नहीं !

लखनऊ। प्रभात

ट्विटर पर राष्ट्रपति ने दावा किया कि कैलिफ़ोर्निया राज्य के जंगल की आग खराब वन प्रबंधन का एक परिणाम है। इसकी सच्चाई अधिक जटिल हैय चूंकि कैलिफ़ोर्निया के आदिवासी लोग राज्य के दोनों सिरों को छोड़ कर जंगल के अन्दर की ओर भागकर चले गए हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने 10 नवम्बर 2018 सप्ताहांत में ट्विटर पर वन प्रबंधन पर अनुमान लगाते हुए इस राज्य को संघीय भुगतान वापस लेने की धमकी दी थी। उनके इस बयान से अग्निशामकों ने नाराजगी जताई क्योंकि कैलिफोर्निया के जंगल की आग के कारणों को बिना जाने व उसकी देखरेख क़े लिये जिम्मेदार स्थानीय नेताओं और विभागों की लापरवाही की छान.बीन किये आरोप लगाया गया था।

यह सूचना भ्रामक है कि वन प्रबंधन इतना खराब है जिस पर ट्रम्प सुझाव दे रहे हैं। कैलिफ़ोर्निया के वर्तमान वाइल्डफ़ायर ने कहा, वन प्रबंधन ने एक अहम भूमिका निभाई है और यह जंगल की आग नहीं हैं। इसीक्रम में मैक्स मोरिट्ज़ जो कैलिफ़ोर्निया बार सांता बारबरा के एक वन्यजीव विशेषज्ञ हैं, ने भी कहा. यह आग जंगलों में भी नहीं लगी है। कैलिफोर्निया के जंगल में इतने बड़े पैमाने पर घातक आग का लगना और उसपर महंगे रखरखाव का कोई कारण नहीं है इसके सिवाय कि वन प्रबंधन इतना खराब है। प्रत्येक वर्ष अरबों डॉलर दिए जाते हैंए फिर भी जंगलों के सकल कुप्रबंधन के कारण बहुत सारे लोगों की जान चली जाती है। अब या तो सही उपाय अन्यथा कोई और फेडरल भुगतान नहीं होगा। बल्कि यह वहां के कैंप और वसूली की आग है जो उत्तरी और दक्षिणी कैलिफोर्निया के मध्य मे उन संवेदनशील क्षेत्रों मेंसे शुरू होतीं हैं, जिन्हें जंगली-शहरी इंटरफ़ेस के रूप में जाना जाता है। ऐसे स्थान जहां आदिवासी समुदाय अविकसित क्षेत्रों के करीब हैं, वहा के जंगलों या उसके पड़ोस से जंगलों में आग लगना आसान हो जाता है।

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ़एग्रीकल्चर की 2015 की एक रिपोर्ट में यह पाया गया कि 2000 से 2010 के बीच (आखिरी साल तक जिसके लिए डेटा उपलब्ध था),ए वाइल्डलैंड.शहरी इंटरफेस में जाने वाले लोगों की संख्या में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। रिपोर्ट के अनुसारए देश के हर तीन घरों में से एक घर के बराबर 44 मिलियन घर, वनों के दायरे में आने वाले शहरी इंटरफ़ेस में हैं। सबसे अधिक ऐसी आवादी का घनत्वय फ्लोरिडा, टेक्सास और हां, कैलिफोर्निया में हैं।

यह भी सच है कि कैलिफ़ोर्निया के जंगल बड़े हो रहे हैं तथा राज्य के अधिकांश बड़े जंगल इस सदी में हुए हैं। मेंडोसिनो वहुयामी आग इस वर्ष की शुरुआत में रिकॉर्ड के अनुसार कैलिफोर्निया की सबसे बड़ी आग थी, जिसने कई एकड़ जलाकर भस्म कर दियाए ऐसा मापा गया था। कैंप फायर राज्य के इतिहास में पहले से ही सबसे विनाशकारी है, जिसमें 6,000 से अधिक घर जलकर स्वाहा हो गये हैं। अब आग का दायरा ही सिर्फ बड़ा नहीं हो रहा हैय वे और भी अप्रत्याशित होते नजर आ रहे हैं। वे अक्सर रात के मध्य से अधिक गर्मी से जल रहे हैं (जबकि वे रात मे ठंडे हो जाते थे), अब पहाड़ियों की ओर तेजी सें दौड़ रहे हैं और अपने पड़ोस के जंगलो की ओर भी बढ रहे हैं, जो अपेक्षाकृत सुरक्षित थे।

शोधकर्ता व वैज्ञानिकों का मानना है कि

एक बहस

प्रो. भरत राज सिंह महानिदेशक, (स्कूल आफ मैनेजमेन्ट लखनऊ)

इसका मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन में प्रभावी बढ़ोत्तरी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता हैंए क्योंकि वैश्विक तापमान ग्लोबल.वार्मिंग में बढ़ोत्तरी के कारण वनस्पति तेजी से सूख जाती है और अधिक आसानी से जल जाती है और इसका असर सबसे अधिक घातक और महंगा स्वरूप वाइल्डलैंड व शहरी इंटरफ़ेस में पाया जा रहा हैंए जो अधिक से अधिक घरोंए कस्बों और जीवन को आग के हवाले होने से नुकसान पहुंचाती हैं। कैंप फायर पहले ही राज्य के अभी तक के इतिहास में सबसे घातक आग की परिभाषा में आ चुका है, कम से कम 29 लोगों की मौत 10 नवम्बर 2018 तक हो गई है और आगे मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

डॉ0 मोरित्ज़ ने कहा, हमारे पास पहले से ही सम्वेदनशील हाउसिंग का लेखा.जोखा (स्टॉक) है। इन भवनों की संरचना जब हुई थीए वह पूर्व के दशकों में भवन निर्माण कोड के अनुसार तैयार की गई थीं और वे आग प्रतिरोधी नहीं थीं जितनी अब उन्हे होना चाहियें। हमने अपने घरों को कहाँ और कैसे बनाया हैए इस मुद्दे ने इन जैसी घातक घटनाओं द्वारा जो घरो व जानमाल के नुकसान से हुई हैए हमारे कर्तव्य के प्रति हुई उदासीनता से अवगत कराया है।

राज्य की 33 मिलियन एकड़ वन, संघीय एजेंसियांए जिनमें वन सेवा और आंतरिक विभाग शामिल हैं, जो 57 (सत्तावन) प्रतिशत के मालिक हैं और उनका प्रबंधन करते हैं। 40 प्रतिशत परिवारों का स्वामित्व है जो मूल अमेरिकी जनजातियों या कंपनियों, औद्योगिक लकड़ी कंपनियों सहित्य केवल 3 प्रतिशत राज्य और स्थानीय एजेंसियों के स्वामित्व और प्रबंधित हैं। यहा यह विचार्णीय हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ट्वीटेर पर यह निर्दिष्ट नहीं किया कि कौन से संघीय भुगतान, वन प्रबंधन खराब होने से रोक दिए जा सकते हैं। लेकिन कैलिफ़ोर्निया ने खुद ही इस साल . 256 मिलियन का आवंटन किया जो कि जंगल की घातक आग के खतरे को कम करने के उपयोग में है। हाल के वर्षों में वन सेवा ने मृत वनस्पतियों से छुटकारा पाने के लिए अपने निर्धारित वन.प्रबंधन प्रथाओं को और अधिक श्निर्धारित या नियंत्रित करने की कोशिश की है, जो भविष्य के जंगल में आग लगा सकती है लेकिन इसका बजट अग्निशमन लागत से अधिक रखा गया है। कांग्रेस ने इस साल एक बजट पारित कियाए जिसमें से कुछ समस्याओं को ठीक करने के लिए (और एक समर्पित अग्निशमन निधि बनाने के लिए) तैयार किया गया था लेकिन यह अगले साल तक प्रभावी नहीं होगा।

उपरोक्त बहस से यह प्रश्न उठता है कि क्या विश्व के वैज्ञानिक जो अपने आकड़ों से अथवा अनुभव से तथ्य प्रकाश मे लाते है उसे व्यापारिक दृष्टिकोण से ही आंका जाना चाहिये अथवा वैश्विक जीव-जंतुओं के विनष्ट होने खतरे से बचाने में विकसित देशो की सहभागिता सबसे आगे होनी चाहिये। आज की चर्चा से यह भी निष्कर्ष निकलता है कि यदि दुनिया की मनुस्यो व अन्य जीवो की प्रजाँतिया विलुप्त हो जायेंगी तो विकास की गति अपने आप ही रुक जायेगी। आज के जलवायु असंतुलन व वैश्विक तापमान की विभीषिकाओ को अधिक महत्व देने पर सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनैतिज्ञों वैज्ञानिकों व प्रबुद्धवर्ग को धरती को बचाने व जीव.जंतुओं के सरक्षण पर आगे आकर कार्य करना होगा। आज हम अपने अपने देशों को अधिक धनाढ्य बनाने व सुख सुविधाओं को बढ़ाने की होड़ में लगे हुये है वह मात्र कुछ शिरफिरों के कारण परुमाणु अस्त्रों के तवाही से भले अपने को उबार सके.चाहे वह उत्तरी कोरिया हो या सीरिया आदि। परन्तु जलवायु परिवर्तन व वैश्विक तापमान की देश की सीमाओं मे नही बाँधा जा सकता है। अतः हम सभी देशों का नरेंद्र मोदी के कार्बन को घटाने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय का स्वागत कर सहभागिता बढाने की जरूररत है। क्या हम सभी प्रबुद्धवर्ग अपने देश की सीमाओ को तोड़कर विश्ववंधुत्व की भावना से प्रेरित हॉकर जलवायु असंतुलन की विभीषिकाओं से बचाने में अग्रसर होंगे